भारत सरकार

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 640

बुधवार, दिनांक 23 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>उत्तर प्रदेश में सौर परियोजनाएं</u>

640. श्री अनुराग शर्माः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) झांसी में प्रस्तावित 1.3 गीगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है और यह उत्तर प्रदेश के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों में किस प्रकार योगदान देगी;

(ख) इस परियोजनाओं के लिए अनुमानित निवेश का ब्यौरा क्या है और स्थानीय आबादी के लिए रोजगार के संभावित अवसर क्या है;

(ग) बुंदेलखंड क्षेत्र, विशेषकर झांसी में सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या 600 मेगावाट सौर परियोजना के लिए हाल ही में हुए उत्तर प्रदेश-टस्को समझौते की तर्ज पर सार्वजनिक-निजी-भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं पर काम चल रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) कार्बन उत्सर्जन में कमी और इससे संधारणीय विकास के संदर्भ में अपेक्षित पर्यावरणीय लाभों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) तथा (ख): उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (यूपीएनईडीए) ने उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति-2022 के अंतर्गत झांसी जिले में 1.3 गीगावाट सौर पीवी परियोजना के लिए रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की है, जिसमें अनुमानित निवेश 5200 करोड़ रुपये है तथा लगभग 5000 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन होगा।

(ग) से (ङ): सौर पार्कों और परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने बुंदेलखंड क्षेत्र में कुल मिलाकर 4085 मेगावाट क्षमता के 7 सौर पार्क स्वीकृत किए हैं। इसमें से 600 मेगावाट क्षमता का एक सौर पार्क झांसी में स्थित है जिसमें कोई सार्वजनिक-निजी भागीदारी नहीं है।

600 मेगावाट की परियोजना से प्रतिवर्ष लगभग 0.87 मिलियन टन मानक कार्बन डाई ऑक्साइड (CO_2) उत्सर्जन में कमी आई है।

*****